Diksha 8201109

Queens Valley School

प्रथम सत्रीय परीक्षा (कक्षा - दसवीं)

विषय : हिन्दी 'ब'

सैट - 'ख'

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।*

(ii) *चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।*

(iii) *यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।*

(खण्ड-क)

प्र1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

परिश्रम यानि मेहनत अपना जवाब आप ही है। उसका अन्य कोई जवाब न है, न हो सकता है अर्थात् जिस काम के लिए परिश्रम करना आवश्यक हो; हम चाहें कि वह अन्य किसी उपाय से पूरा हो जाए, ऐसा हो पाना कतई संभव नहीं। वह तो लगातार और मन लगाकर परिश्रम करने से ही होगा। इसी कारण कहा जाता है कि 'उद्योगिमा सिंहनुपैति लक्ष्मीः' अर्थात् उद्योग या परिश्रम करने वाले पुरुष सिंहों का ही लक्ष्मी वरण किया करती है। सभी प्रकार की धन-सम्पत्तियाँ और सफलताएँ लगातार परिश्रम से ही प्राप्त हुआ करती हैं। परिश्रम ही सफलता की कुंजी है, यह परीक्षण की कसौटी पर कसा गया सत्य है।

निरंतर प्रगति और विकास की मंज़िलें तय करते हुए हमारा संसार जिस स्तर और स्थिति तक पहुँच पाया है, वह सब हाथ-पर-हाथ रखकर बैठे रहने से नहीं हुआ। कई प्रकार के विचार बनाने, अनुसंधान करने, उनके अनुसार लगातार योजनाएँ बनाकर, कई तरह के अभावों और कठिनाइयों को सहते हुए निरंतर परिश्रम करते रहने से ही संभव हो पाया है। आज जो लोग सफलता के शिखर पर बैठकर दूसरों पर शासन कर रहे हैं, आदेश दे रहे हैं, ऐसी शक्ति और सत्ता प्राप्त करने के लिए पता नहीं किन-किन रास्तों से चलकर, किस-किस तरह के कष्ट और परिश्रमपूर्ण जीवन जीने के बाद उन्हें इस स्थिति में पहुँच पाने में सफलता मिल पाई है। हाथ-पैर हिलाने पर ही कुछ पाया जा सकता है, उदास या निराश होकर बैठ जाने से नहीं।

निरंतर परिश्रम व्यक्ति को चुस्त-दुरुस्त रखकर सजग तो बनाता ही है, निराशाओं से दूर रख आशा-उत्साह भरा जीवन जीना भी सिखाया करता है। हो सकता है कि एक-दो बार कठिन परिश्रम करने पर भी इच्छित सफलता का लक्ष्य न मिल सके। इससे घबराकर पौरुषशील व्यक्ति चुपचाप बैठ नहीं जाया करते या फिर माथा पीट-पीटकर भाग्य को कोसने नहीं लग पड़ते; बल्कि अपनी असफलता या हार के कारणों को जान, कमियों को दूर कर पुनः तन-मन से अपने कार्य में जुट जाया करते हैं। तब तक लगातार और बार-बार जुटे रहते हैं जब तक कि सफलता आकर उनके चरण नहीं चूम लेती। दृढ़-निश्चय वाले व्यक्ति ही इस प्रकार इस सीमा तक जा सकते हैं। वे असफलताओं और पराजयों को पीछे ढकेल सफलता और विजय को खींचकर ला सकते हैं। यह सब देख-सुनकर ही कहा गया है कि परिश्रम का कोई जवाब नहीं।

(क) परिश्रम का जवाब क्या है? परिश्रम से क्या प्राप्त होता है? (2)

(ख) संसार का विकास किस प्रकार संभव हो पाया है? (2)

(ग) पुरुषार्थी की क्या-क्या विशेषताएँ होती हैं? (2)

(घ) (i) 'अभाव' और 'इच्छित' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग और प्रत्यय का उल्लेख कीजिए। (1)

(ii) गद्यांश से एक मुहावरा चुनकर उसका वाक्य-प्रयोग कीजिए। (1)

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। (1)

प्र2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

कुछ लिखके सो, कुछ पढ़के सो
तू जिस जगह जागा सवेरे उस जगह से बढ़के सो!
जैसा उठा वैसा गिरा जाकर बिछौने पर,
तिफ्ल जैसा प्यार यह जीवन-खिलौने पर,
बिना समझे, बिना बूझे खेलते जाना,
एक ज़िद को जकड़ लेकर ठेलते जाना,
ग़लत है, बेसूद है, कुछ रचके सो, कुछ गढ़के सो
जू जिस जगह जागा सवेरे उस जगह से बढ़के सो!
दिन-भर इबारत पेड़, पत्ती और पानी की,
बंद घर की, खुले-फैले खेत धानी की,
हवा की बरसात की हर खुश्क की, तर की,
गुज़रती दिन भर रही जो आपकी, पर की,
उस इबारत के सुनहरे वर्क से मन मढ़के सो
तू जिस जगह जागा सवेरे उस जगह से बढ़के सो!
लिखा सूरज ने किरन की कलम लेकर जो,
नाम लेकर जिसे पंछी ने पुकारा वो,
हवा जो कुछ गा गई, बरसात जो बरसी,
जो इबारत लहर बनकर नदी पर बरसी,
उस इबारत की अगरचे सीढ़ियाँ हैं, चढ़के सो
तू जिस जगह जागा सवेरे उस जगह से बढ़के सो!

(क) प्रकृति का लेख लिखने में किस-किसका योगदान है? (2)

(ख) 'जिस जगह जागा सवेरे उस जगह से बढ़के सो।' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। (2)

(ग) (i) उपर्युक्त काव्यांश में से अंत्यानुप्रास के कोई दो उदाहरण छाँटकर लिखिए। (1)

(ii) उपर्युक्त काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। (1)

(खण्ड-ख)

प्र3. (क) शब्द किसे कहते हैं? उदाहरण देकर शब्द और पद का अंतर समझाइए। (1+1=2)

(ख) 'अचानक वामीरो सचेत हुई और घर की तरफ़ दौड़ गई।' - वाक्य में से ~~एक 'शब्द' एवं~~ एक 'पद' छाँटकर लिखिए। (1)

प्र4. (क) निर्देशानुसार वाक्य रूपान्तरण कीजिए - (1x3=3)

(i) पराधीन व्यक्ति को स्वप्न में भी सुख नहीं मिलता। (मिश्र वाक्य में)

(ii) सभी मेहमान आ गए और माताजी खुश हो गईं। (सरल वाक्य में)

(iii) घायल सैनिक शस्त्र उठाकर शत्रुओं से लड़ने लगे। (संयुक्त वाक्य में)

(ख) रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए :- (1)

जो लोग स्वावलंबी होते हैं, वे सदा सुखी रहते हैं।

प्र5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए :- (1x4=4)

(i) वह नया पाठ पढ़ा।

(ii) रामलाल सपरिवार सहित आया।

(iii) पुलिस ने डाकुओं के पीछे किए।

(iv) कविता पढ़कर उसे आनंद का आभास हुआ।

प्र6. निम्नलिखित मुहावरों का इस प्रकार वाक्यों में प्रयोग कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए :- (2)

(i) रंग दिखाना (ii) एक ही राग अलापना

प्र7. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त मुहावरों से कीजिए :- (2)

(i) मधुर की माँ ने उसे _____ पढ़ाया; तभी वह आज इतने ऊँचे पद पर है।

(ii) जो लोग सोच-समझकर काम नहीं करते; वे ही बाद में _____।

(खण्ड-ग)

प्र8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- (2+2+1=5)

(क) रूढ़ियाँ जब बंधन बन बोझ बनने लगें तब उनका टूट जाना ही अच्छा है। क्यों?

(ख) 'आज जो बात थी वह निराली थी' - किस बात से पता चल रहा था कि आज का दिन अपने आप में निराला है? पाठ 'डायरी का पन्ना' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'बड़े भाई साहब' कहानी के आधार पर बताइए कि लेखक की स्वच्छंदता क्यों बढ़ गई थी।

प्र9. बड़े भाई साहब ने ज़िंदगी के अनुभव को किताबी ज्ञान से अधिक महत्त्वपूर्ण किस प्रकार सिद्ध किया? क्या आप उन तर्कों से सहमत हैं? अपने अनुभव के आधार पर स्पष्ट कीजिए। (5)

प्र10. पठित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- (2+2+1=5)

(क) मीरा श्री कृष्ण की चाकरी से क्या-क्या प्राप्त करना चाहती हैं? स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में झरने पर्वत का गौरव-गान किस प्रकार करते हैं?

(ग) 'तोप' कविता का मुख्य भाव क्या है?

प्र11. 'एकै अषिर पीव का, पढ़े सु पंडित होइ' - इस पंक्ति से आप क्या समझते हैं? प्रेम का एक ही अक्षर सभी ग्रंथों से किस प्रकार भारी है। अपने जीवन के एक अनुभव के आधार पर स्पष्ट कीजिए। (5)

प्र12. 'हरिहर काका' पाठ के माध्यम से लेखक ने संयुक्त परिवारों के बारे में जो कुछ बताया है, क्या आप उससे सहमत हैं? तर्क सहित उत्तर दीजिए। (5)

(खण्ड-घ)

प्र13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए :- (5)

(क) लड़का-लड़की एक समान दोनों से ही घर की शान

संकेत-बिन्दु -
- दोनों के प्रति भिन्न दृष्टिकोण
- समाज में दोनों की समानता
- भेदभाव की समाप्ति और दोनों का सम्मान

(ख) ऐसी वाणी बोलिए, सबका मन हर लेय

संकेत-बिन्दु -
- वाणी का महत्त्व
- कठोर शब्दों से हानियाँ
- उदाहरण

(ग) युवाओं के लिए मतदान का अधिकार

संकेत-बिन्दु -
- मतदान का अधिकार क्या और क्यों?
- वर्तमान युग में आया अंतर
- हमारा कर्त्तव्य

प्र14. अपने क्षेत्र में सार्वजनिक पुस्तकालय एवं वाचनालय खोलने की प्रार्थना करते हुए शिक्षा-विभाग के सचिव को पत्र लिखिए। (5)

प्र15. विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाने के लिए योजनाबद्ध कार्यक्रम के निर्धारण हेतु; सभी कक्षाओं के प्रतिनिधियों की बैठक के लिए समय, स्थान आदि के विवरण सहित सूचना लगभग 30 शब्दों में तैयार कीजिए। (5)

प्र16. 'धरोहरें अनमोल होती हैं।' इस विषय पर चर्चा करते हुए पिता और पुत्र/पुत्री के बीच के संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए। (5)

प्र17. 'शिक्षा के अधिकार' के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में इस अधिकार का लाभ उठाने के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए। (5)